कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 03 भाग 08, (जनवरी, 2024)
पृष्ठ संख्या 43–44

जैविक खेती से हरित भविष्य: कृषि और वन्य जीवन का संगम

डॉ. पूजा शर्मा
वनिकी विभाग, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,
जबलपुर, मध्य प्रदेश, भारत।

Email Id: ps280393@gmail.com

प्रस्तावना:

जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिकी चुनौतियों के सामना करते हुए, जैव विविधता की संरक्षण वैश्विक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बन गई है। जैव विविधता, पृथ्वी पर जीवन की विविधता, पारिस्थितिकी स्वास्थ्य और संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जैव विविधता की मजबूती को बढ़ावा देने का एक नवाचारी और परिस्थितिकी दृष्टिकोन वाला तरीका कृषि–वनिकी है। यह समग्र भूमि उपयोग प्रबंधन प्रणाली कृषि और वनिकी को मिलाकर एक समरस संघटन बनाती है, जिसमें पेड़–पौधों का समाहित रूप से कृषि क्षेत्रों में समाहित किया जाता है। कृषि–वनिकी न केवल कृषि उत्पादन को बढ़ावा देती है और विश्वभर में लाखों लोगों की जीविका का समर्थन करती है, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती है।

परिस्थितिकी सेवाएँ मजबूत करना

कृषि–वनिकी प्रणालियाँ विभिन्न वन्यजीव, पशु, और सूक्ष्मजीव प्रजातियों का समर्थन करने वाले विभिन्न आवास प्रदान करती हैं। कृषि दृश्यों में पेड़–झाड़ियाँ होना विभिन्न जीवों के लिए निच्छेस (निचों का स्थान) बनाता है। विभिन्न पेड़ प्रजातियाँ विभिन्न प्रकार की कीट, पक्षी, और स्तनधारियों को आकर्षित करती हैं, जिससे क्षेत्र की कुल जैव विविधता बढ़ती है। उदाहरण के लिए, फलों वाले पेड़ पक्षियों और चमगादड़ों को आकर्षित करते हैं, जो मानव उत्पादन के लिए हानिकारक कीटों को खाकर प्राकृतिक कीट नियंत्रण में मदद करते हैं।

मृदा स्वास्थ्य और पोषण परिचालन

कृषि–वनिकी प्रणालियों में पेड़–झाड़ियों की मौजूदगी मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है। पेड़ की जड़ें मिट्टी की धरातल को बचाती हैं, तलहटी को स्थिर करती हैं, और मिट्टी की संरचना में सुधार करती हैं। इसके अलावा, पेड़ों से गिरी पत्तियाँ और जैविक सामग्री प्राकृतिक मल्च के रूप में कार्य करती हैं, मिट्टी को पोषण से भर देती हैं। यह पोषण चक्रणी विभिन्न पौधों के विकास का समर्थन करती है, जिससे विभिन्न जीवों, सहित और लाभकारी सूक्ष्मजीवों के लिए एक स्वस्थ वातावरण बनता है।

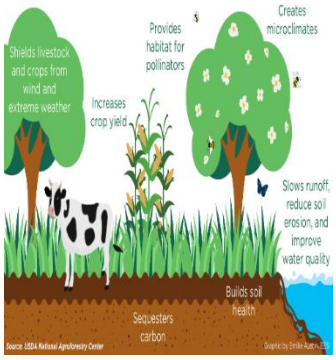

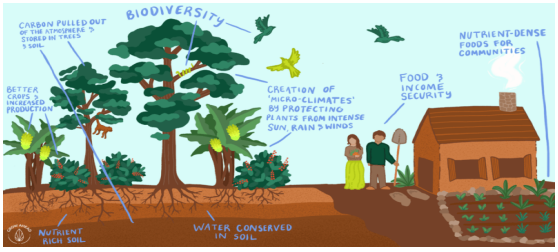

जैव विविधता के रूप में प्राकृतिक कीटनाशक

जैव विविध खेती–वन्यजीव सिस्टम में प्राकृतिक शत्रु पशु पेड़–पौधों के कीड़ों की आबादी को नियंत्रित करते हैं। पक्षियाँ, चमगादड़, और मुर्गे जैसे कीटों के लिए महत्वपूर्ण शत्रु होते हैं, जैसे कि लेडीबग्स और लेसविंग्स। संतुलित पारिस्थितिकी बनाए रखकर, खेती–वन्यजीव रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता को कम करता है, जिससे पौधों और जीवन के लिए स्वस्थ पर्यावरण को बढ़ावा मिलता है।

जलवायु परिवर्तन का सामना करना

कृषि–वनिकी वानिकी जलवायु परिवर्तन के सामना करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। पेड़ वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को संकलित करते हैं, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करते हैं। इसके अलावा, विभिन्न कृषि–वनिकी प्रणालियाँ अत्यधिक मौसमी घटनाओं के सामना करने में मजबूत हैं। विभिन्न पौधों की विभिन्न जड़ संरचनाएँ भारी बारिश के दौरान मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करती हैं, और पेड़ों द्वारा प्रदत्त छाया कृपाणुओं पर पेड़ों और फसलों पर पड़ने वाले असरों को कम करती है।

सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व

कृषि–वानिकी कार्य अक्सर स्थानीय संस्कृति का सम्मिलन करती हैं और जातिगत प्रथाओं को शामिल करती हैं, स्थानीय संस्कृतियों का सम्मान करती हैं और जैव विविधता की रक्षा करती हैं। आदिवासी समुदाय अनुसरण करते हैं, कई पीढ़ियों से विश्वास करते हैं, जीवंत जैव विविधता और अद्वितीय पारिस्थितिकियों की रक्षा करते हैं। इन परंपराओं का सम्मान करते हुए और उनसे सीखते हुए, आधुनिक कृषि–वानिकी कार्य और भी समृद्ध हो सकती हैं, मानवों और प्राकृतिक जगत के बीच एक गहरा संबंध पैदा करती हैं।

आर्थिक संचालनीयता

कृषि–वानिकी किसानों के लिए आर्थिक संचालनीयता को बढ़ावा देती है। कृषि–वानिकी प्रणालियों से प्राप्त विविध उत्पाद, जैसे कि लकड़ी, फल, और औषधीय पौधे, अतिरिक्त आय के स्रोत प्रदान करते हैं। सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने से, कृषि–वानिकी सुनिश्चित करती है कि आर्थिक लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं बिना पर्यावरण को क्षति पहुँचाए, जो मानव जीवनों और जैव विविधता दोनों का समरस समर्थन करने वाला एक संतुलन का पोषण करता है।

निष्कर्षः

मानव और प्राकृतिक जगत के बीच सामंजस्य

एक सतत भविष्य की खोज में कृषि–वानिकी आशा की किरण के रूप में प्रकट होती है। कृषि–वानिकी के सिद्धांतों को अपनाकर, हम जैव विविधता की प्रतिक्रियाशीलता को पोषित कर सकते हैं, पारिस्थितिकियों को मजबूत कर सकते हैं, और हमारी परिस्थितिकियों के परिणामस्वरूप होने वाली चुनौतियों के खिलाफ हमारी रक्षा को मजबूत कर सकते हैं। सरकार, किसान और समुदायों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि कृषि–वानिकी कार्य को बड़ी मात्रा में बढ़ावा देना और कार्यान्वित किया जा सके।

जब हम खेती करते हैं, तो कृपया प्राकृतिक जगत के साथ एक संमेलनी रिश्ता बनाएं। कृषि–वानिक किसानी और जैव विविधता के बीच सहयोग की संभावना को प्रस्तुत करती है, जिससे यह साबित होता है कि हरित, सतत, और संवेदनशील दुनिया सिर्फ एक दूर की ख्वाब नहीं है, बल्कि एक वास्तविक, संव्यावसायिक वास्तविकता है। पेड़ों और कृषि का सावधानी से एकीकरण करके, हम एक भविष्य की ओर पथ प्रशस्त कर सकते हैं।